भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2463

उत्तर देने की तारीख 04 अगस्त, 2025

13 श्रावण, 1947 (शक)

प्रोजेक्ट सारथी

2463. श्री राहुल कस्वां:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार 'माई भारत' के अंतर्गत शुरू की गई युवा नेतृत्व वाली अस्पताल नेविगेशन पहल (सेवा से सीखें अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम - ईएलपी) प्रोजेक्ट सारथी को सहायता दे रही है;

(ख) इसमें भाग लेने वाले कुल युवा स्वयंसेवकों की संख्या कितनी है और देशभर में कवर किए गए अस्पतालों का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) कुल कितने स्वयंसेवी घंटों का योगदान दिया गया और रोगियों के प्रतीक्षा समय में औसत कमी का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या विद्यालयों अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी इसी तरह के मॉडल की योजना बनाई गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उक्त कार्यक्रम के लिए कोई विस्तार लक्ष्य निर्धारित हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): प्रोजेक्ट सारथी को पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा युवा कार्यक्रम विभाग की एक अनुभव से सीखें (ईएलपी) पहल के रूप में कार्यान्वित किया गया था, इसे 17 सितंबर 2024 को लॉन्च किया गया था। अब तक, 988 युवा स्वयंसेवकों ने उक्त परियोजना के तहत भाग लिया है।

प्रोजेक्ट सारथी को " सेवा से सीखें " ईएलपी के तहत क्रियान्वित किया गया था, जिसमें 6,444 युवा स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और राज्य स्वास्थ्य विभागों/प्राधिकरणों के सहयोग से देश भर के 522 से अधिक अस्पतालों में सेवाएँ प्रदान की हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है। आज तक 1467 अस्पताल उक्त ईएलपी के लिए पोर्टल पर शामिल/अनुमोदित हैं। आज तक विद्यमान 95 ईएलपी में से 81 को स्थायी स्वास्थ्य ईएलपी के

रूप में नामित किया गया है। स्वयंसेवकों ने इन ईएलपी में भाग लिया है और निम्नलिखित कार्यों में सहयोग दिया है:

- मरीजों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना,
- ओपीडी के प्रबंधन में सहायता करना,
- 'क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ' डेस्क पर कार्य,
- स्वास्थ्य बीमा संबंधी कागजी कार्रवाई में सहायता करना,
- मरीजों को आभा मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने और उपयोग करने में मदद करना,
- डेटा प्रविष्टि और रिकॉर्ड प्रबंधन सहित अन्य अस्पताल-निर्धारित कार्य।

(ग) युवा स्वयंसेवकों ने अपने निर्धारित अस्पतालों में 7 से 30 दिन तक सेवा की। प्रत्येक दिन का सामान्य कार्य समय 3 घंटे से 6 घंटे तक होता है। पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में किए गए एक अध्ययन में निम्नलिखित बातें सामने आईं:

- माई भारत स्वयंसेवकों द्वारा सहायता प्राप्त मरीजों को औसतन 2.8 घंटे तक इंतजार करना पड़ा।
- जिन मरीजों को ऐसी सहायता नहीं मिली, उन्हें लगभग 4.2 घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

(घ) "सेवा से सीखें" कार्यक्रम का विस्तार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) तक कर दिया गया है। एक स्थायी स्वास्थ्य ईएलपी मॉडल, जहाँ निरंतर स्वयंसेवकों की तैनाती के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए जाते हैं, वर्तमान में राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में लागू किया जा रहा है।

(ङ) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से, सेवा से सीखें कार्यक्रम का विस्तार उन 100 आदर्श स्वास्थ्य केंद्रों तक किया जा रहा है जहाँ आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन चल रहा है। यहाँ स्वयंसेवक पंजीकरण काउंटरों पर मरीजों की सहायता करेंगे, जिसमें सरकारी अस्पतालों में ओपीडी के लिए पंजीकरण हेतु 'स्कैन एंड शेयर' सेवा का उपयोग करने में उनकी सहायता करना भी शामिल है।

*****

अनुबंध

''प्रोजेक्ट सारथी'' के संबंध श्री राहुल कस्वां द्वारा दिनांक 04.08.2025 को पूछे गए लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 2463 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

क्र. सं.	राज्य का नाम	स्वास्थ्य एमबीओ की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	अंडमान व नोकोबार द्वीप समूह	1	3
2	आंध्र प्रदेश	22	373
3	अरुणाचल प्रदेश	5	15
4	असम	10	110
5	बिहार	11	143
6	चंडीगढ़	13	92
7	छत्तीसगढ	9	77
8	दिल्ली	3	30
9	गोवा	2	26
10	गुजरात	89	1215
11	हरियाणा	69	1004
12	हिमाचल प्रदेश	11	43
13	जम्मू और कश्मीर	12	62
14	झारखंड	29	276
15	कर्नाटक	6	32
16	केरल	6	87
17	लक्षद्वीप	4	26
18	मध्य प्रदेश	12	167
19	महाराष्ट्र	51	238
20	मणिपुर	2	23
21	मेघालय	2	0
22	ओडिशा	8	63
23	पुदुचेरी	4	50
24	पंजाब	30	175
25	राजस्थान	87	836
26	तमिलनाडु	39	341
27	तेलंगाना	19	178

28	त्रिपुरा	7	14
29	उत्तर प्रदेश	63	558
30	उत्तराखंड	21	187
	कुल	**647**	**6444**

एमबीओ = माई भारत संगठन

*****